कठे गयो नखराली थारो घर वालो भजन लिरिक्स

कठे गयो नखराली,
थारो घर वालो।bd।

प्रीत गनी प्यारो गणों लागे,
तू सूती वो हरदम जागे,
बागा को सैलानी भंवरो,
फूला में रमवा वालो,
ये कठें गयो नखराली,
थारो घर वालो।bd।

स्वर्ण महल कनक अटारी,
ज्यारी खिड़किया न्यारी न्यारी,
पांच जना की पहरा दारी,
कीकर टुटीओ तालो,
ये कठें गयो नखराली,
थारो घर वालो।bd।

दौड सकू तो हाथ नही आवे,
भोली नार क्यों भटका खावे,
सुर वीर वाने पकड़ नी पावे,
यो तो छल कर गयो चनगलो,
ये कठें गयो नखराली,
थारो घर वालो।bd।

तू सोला सिंगार सजाती,
पिऊ के मोह में मदमाती,
कण कण ओंकार निरंजन,
यो चेतन रमवा वालो ये,
कठें गयो नखराली,
थारो घर वालो।bd।

कठे गयो नखराली,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

Singer – Kaluram Ji Bikharniya

प्रेषक – नँद लालजी भाट।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com